हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 18 जुलाई 2025

11 राव बिरेंद्र सिंह व राव इंद्रजीत सिंह की कर्मभूमि रहा...

12 बागोत कांवड़ मेले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किए जा रहे बेहतर...

आरती राव बोलीं...मेरी तो कोशिश है, नामकरण की अर्जी सीएम के सामने रखी, डिसीजन वहीं लेंगे

■ हरिभूमि ने स्वास्थ्य मंत्री से किया सवाल... कॉलेज नामकरण को लेकर ग्रामीण तीन माह से धरने पर बैठे, स्वास्थ्य मंत्री आप, मेडिकल कॉलेज भी आपके अधीन, फिर दिक्कत कहां?

सतीश सैनी ▶▶ नारनौल

मेडिकल कॉलेज के बाहर गेट पर करीब तीन माह से ग्रामीणों का धरना चल रहा है। धरना देने वालों की मांग है कि मेडिकल कॉलेज का नाम महर्षि च्यवन हटाकर शहीद राव तुलाराम के नाम से किया जाए। इसी बीच ओपीडी शुरू होने के बाद पहली बार स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव मेडिकल कॉलेज का निरीक्षण करने वीरवार सुबह वहां पहुंची। गेट पर ही ग्रामीणों ने उन्हें रूकने का आग्रह किया और धरना स्थल पर लेकर गए। स्वास्थ्य मंत्री ने उनका समर्थन करते हुए वहां कुछ समय बैठी और फिर धरना देने वालों ने उन्हें कॉलेज नामकरण शहीद राव तुलाराम के नाम से करने, आरक्षण देने व कक्षाएं शुरू करने का एक मांग पत्र भी सौंपा। नामकरण को लेकर चल रहे धरने संबंधित सवाल हरिभूमि ने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से पूछा। सवाल किया कि कॉलेज नामकरण को लेकर ग्रामीण करीब तीन माह से धरने पर बैठे है, स्वास्थ्य मंत्री आप, मेडिकल कॉलेज भी आपके अधीन, फिर दिक्कत कहां? इस सवाल का जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पहले तो मैं मंत्री हूं। मैं उनको (धरना देने वालों को) यहीं कह सकती हूं मेरी तो पूरी कोशिश रही है। आपने देखा होगा जिन्होंने (कोरियावास वालों ने) जमीन दी है, उन्होंने एक अर्जी डाली है। यह अर्जी हमने सीएम साहब के सामने रखी है और डिसिजन सीएम साहब ही लेंगे कि आगे क्या करना है।

स्वास्थ्य मंत्री ने नसीबपुर में शहीदों को किया नमन

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का जब वीरवार नारनौल में आगमन हुआ तो सर्वप्रथम वह नसीबपुर स्थित शहीद स्मारक पहुंची। वहां अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके साथ विधायक ओमप्रकाश यादव, मनीष मित्तल, वासुदेव यादव, महेश यादव घाटासेर, मनोज सेकवाल सहित अनेक उनके समर्थक मौजूद रहे।

नारनौल। कॉलेज नामकरण को लेकर चल रहे धरने को समर्थन देती आरती राव। फोटो : हरिभूमि

एमबीबीएस कक्षाएं लगाने का प्रयास डॉक्टरों की करेंगे कॉन्ट्रैक्ट भर्ती

कनेक्टिविटी, लोकेशन तथा वातावरण के हिसाब से यह हरियाणा का सबसे बेहतरीन मेडिकल कॉलेज है। सरकार का प्रयास है कि इसी वर्ष से एमबीबीएस की कक्षाएं शुरू की जाएं। यहां छात्रावास, अस्पताल विंग तथा शैक्षणिक ब्लॉक पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज पहले साल शुरू करने लायक हो गया है। आज के दिन प्रॉब्लम यह है कि स्टाफ जो यहां आना है उसे हियराणा स्टाफ सलेक्शन बोर्ड करेगा। वह रेगुलर भर्ती करेंगे। आपको तता है उसमें थोड़ा समय लगता है। रेगुलर डॉक्टर लगाने के लिए उन्होंने आठ माह मांगे है, उसमें से दो माह हो चुके है। तब तक अगर हम पहले साल कक्षाएं शुरू करना चाहते है यहां पर कॉन्ट्रैक्ट बेस पर डॉक्टर लेकर आए। यह हमारी पूरी कोशिश रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि कॉन्ट्रैक्ट बेस पर जो डॉक्टर आएंगे, वह रेगुलर डॉक्टर की भर्ती में अप्लाई नहीं कर सकते। मैं गुजारिश करूंगी कि यहां कॉन्ट्रैक्ट बेस पर डॉक्टर आए, फिर रेगुलर पोस्ट के लिए भी अप्लाई करें। ऐसे में अगर हरियाणा स्टाफ सलेक्शन बोर्ड उन्हें सलेक्ट कर लेता है तो वह रेगुलर हो जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने इससे पहले मेडिकल कॉलेज भवन के शैक्षणिक ब्लॉक में अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद उन्होंने चिकित्सा विंग तथा छात्रावास का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव, मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च के निदेशक यशवेंद्र सिंह, उप निदेशक डॉ. माल्ती, मेडिकल कॉलेज कोरियावास के निदेशक डॉ. पवन गोयल, एसडीएम रमित यादव, सीएमओ डॉ. अशोक कुमार, डीएफओ विजेंद्र सिंह के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

खबर संक्षेप

आज बाधित रहेगी बिजली सप्लाई

सतनाली मंडी। 33 केवी पावर हाउस सुरहेती जाखल व बास सतनाली से चलने वाले फीडरों की बिजली आपूर्ति शुक्रवार को दिन में 10 से दो बजे तक बाधित रहेगी। निगम के उपमंडल अधिकारी हनुमान सिंह यादव ने बताया कि शुक्रवार 18 जुलाई को 132 केवी पावर हाउस सतनाली में पावर ट्रांसफार्मर के वार्षिक रखखाव का कार्य किया जाएगा।

मालगाड़ी की चपेट में आने से महिला की मौत

मंडी अटेली। मिर्जापुर बाछौद रेलवे स्टेशन के पास लगभग 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मालगाड़ी की चपेट में आने से मौत हो गई। जीआरपी थाना प्रभारी कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि महिला की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। फुलेरा से रेवाड़ी की ओर जा रही मालगाड़ी से यह हादसा हुआ। शव को पोस्टमार्टम के लिए नारनौल सिविल हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

करीरा में 6 किसानों के 28 फव्वारा नोजल चोरी

कनीना। करीरा गांव में छह किसानों के 28 फव्वारा नोजल चोरी हो गए। करीरा के किसान दिनेश कुमार ने सिटी थाना में दी शिकायत में बताया कि 12 जुलाई रात्रि उनके कुएं से तीन फव्वारा नोजल चोरी हो गए। इस घटना की चर्चा उन्होंने ग्रामीणों से की तो पता चला कि उसी रात सूरजभान के कुएं से सात, सीताराम के कुएं से दो, धर्मेंद्र के कुएं से आठ, जयविंद्र के कुएं से पांच व मनोज के कुएं से तीन नोजल चोरी हो गई।

फतेहपुर शिवधाम में कुश्ती दंगल 23 को

मंडी अटेली। गांव फतेहपुर शिवधाम मंदिर में 23 जुलाई को शिवरात्रि के मौके पर कुश्ती दंगल होगा। मेला प्रबंधक कमेटी के प्रधान रामप्रताप ने बताया कि मेला दंगल में 51 रुपये से लेकर 11 हजार रुपये तक की कुश्तियां करवाई जाएंगी। 22 जुलाई रात्रि 12 बजे से कांवड़ चढ़ना शुरू हो जाएंगी। यह मेला क्षेत्र के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन रहेगा।

मानसून सीजन में लगातार बारिश में घट रहा सब्जियों का उत्पादन

सब्जियां महंगी होने से आम आदमी का निवाला निगलना हुआ मुश्किल

■ कम आवक के चलते बढ़ रहे सब्जियों के दाम गरीब की थाली से सब्जी का जायका खत्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

आजकल सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं और इससे आम लोगों को निवाला निगलना मुश्किल होता जा रहा है। महंगाई इतनी ज्यादा है कि गरीब की थाली से सब्जी का जायका खत्म होता जा रहा है। पिछले एक पखवाड़े में ही सब्जियों के दाम दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं। हालत ऐसी है कि लोग चटनी-रोटी तक सीमित होने लगे हैं। सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि यह हालत अभी एक-डेढ़ महीना और रहेगी।

उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से चल रही बरसात के कारण आम राहगीरों की परेशानियां तो बढ़ी हैं ही। इसके साथ ही आमलोगों को महंगाई से भी जूझना पड़ रहा है। जी हां, हम बात कर रहे हैं खाने का अनिवार्य हिस्सा मानी जाने वाली सब्जियों की। पिछले कुछ दिनों से हो रही बरसात के कारण अब सब्जियों के दाम आसमान छूने लगे हैं। बरसात के कारण सब्जियों की फसलें पकने उपरांत खत्म होने की ओर हैं या फिर बार-बार ज्यादा बरसात होने से वह गलकर खराब होने लगी हैं। यह वजह है कि सब्जियों का इन दिनों उत्पादन तेजी से घटा है। पैदावार कम होने के कारण मंडियों में सब्जी भी अब कम आने लगी है। यही वजह है कि सब्जियों के दाम एकदम से बढ़ गए हैं और दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं। हालत यह है कि कुछ दिन पहले महज 10-20 रुपये तक बिकी घीया अब 60 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई है। ऐसे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि अन्य सब्जियों के दामों की स्थिति क्या होगी। टींडे पूरे 100 रुपये प्रति किलो के हिसाब से बेचे जा रहे हैं। शिमला मिर्च पूरे 200 रुपये किलो बेची जा रही है। सामान्य हरी मिर्च के रेट भी 200 रुपये हो गए हैं। इतना ही नहीं, आने वाले दिनों में जब पैदावार और घट जाएगी, तब दाम और बढ़ेंगे। ऐसे में आम आदमी का निवाला निगलना काफी दुष्कर हो गया है।

नारनौल शहर में तीन-चार जगहों पर सब्जी बेची जाती है। प्रातःकाल को सब्जी नांगल चौधरी रोड स्थित मंडी में पहुंचती हैं। जहां से दुकानदार खरीदकर आजाद चौक मंडी, अनाज मंडी एवं पुलिस लाइन के सामने रेहड़ी वाले सब्जी मार्केट लगाते हैं। कई जगहों पर सब्जी की दुकानें उपलब्ध हैं, लेकिन इन सब्जी विक्रेताओं को सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती महंगाई के कारण ग्राहक नहीं मिल रहे।

नारनौल। पुलिस लाइन गोशाला रोड पर बनी सब्जी रेहड़ी मार्केट।

बाहर से मंगवाई जा रही सब्जी

सब्जी विक्रेता गंगाराम सैनी ने बताया कि बरसात के सीजन में सब्जियों की फसल खत्म होने लगी हैं और ज्यादा बरसात में सब्जियां गलने लगी हैं। इस कारण मंडी में सब्जी की कम मात्रा में आवक होने लगी है। यहां सब्जी बाहर से मंगवाई जाती है। इस कारण सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं। इसका असर बिक्री पर साफ देखने को मिल रहा है। अब आम आदमी सब्जियों को हाथ नहीं लगा पा रहे।

फौजदार कॉलोनी निवासी सविता ने बताया कि सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। महंगाई से रसोई का सारा बजट ही डगमगा गया है। इस महंगाई में आम आदमी को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है।

महिला मोनिका शर्मा ने बताया कि सब्जियों के दाम एक महीने के अंदर-अंदर दोगुने से भी ज्यादा हो गए हैं। महंगाई के कारण गरीबों के मुंह से निवाला छिनता जा रहा है। महंगाई की मार से आम आदमी कराहने लगा है और सब्जी खरीदना उसकी पहुंच से बाहर हो गया है।

सब्जियों के दाम

कोला : 40 रुपये प्रति किलोग्राम
फूल गोभी : 160 रुपये
ग्वार फली : 200 रुपये
तौरू : 120 रुपये
बैंगन : 80 रुपये
भिंडी : 60 रुपये
परमल : 50 रुपये
करूंदा : 160 रुपये
कटहल : 100 रुपये
करेला : 80 रुपये
घीया : 60 रुपये
शिमला मिर्च : 200 रुपये
हरी मिर्च : 200 रुपये
अदरक : 100 रुपये
अरबी : 100 रुपये
निंबू : 80 रुपये
आलू : 20 रुपये
लहसुन : 200 रुपये
टींडा : 100 रुपये
पत्ता गोभी : 70 रुपये
कैरी : 60 रुपये
टमाटर : 50 रुपये
प्याज : 25 रुपये

नारनौल। देवनगर बांध का निरीक्षण करते डीसी डॉ. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

डीसी ने देव नगर बांध का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

दक्षिणी हरियाणा में जल संचयन के प्रयासों को गति देते हुए उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने वीरवार को देव नगर में निर्मित बांध का निरीक्षण किया। इस बांध के बनाने का उद्देश्य क्षेत्र में भूजल स्तर में सुधार लाना है। उपायुक्त ने बताया कि मानसून के दौरान मध्य हरियाणा से अतिरिक्त पानी को नहर के माध्यम से दोहन नदी में छोड़ा जा रहा है। वर्तमान में डेरोली अहीर से प्रतिदिन 400 क्यूसेक से अधिक पानी नदी में डाला जा रहा है। इस पानी का अधिकतम संचयन सुनिश्चित करने के लिए नदी में कई स्थानों पर बांध बनाए गए हैं।

उन्होंने आगे जानकारी दी कि लगातार पानी छोड़े जाने के कारण दोहन नदी का पानी रेवाड़ी महेंद्रगढ़ रोड को पार करते हुए लगभग 17 किलोमीटर आगे गांव माजरा तक पहुंच चुका है। डॉ. भारती ने बताया किया कि इस पहल से इस क्षेत्र में भूजल का बड़े पैमाने पर संचयन होगा। जिससे भविष्य में जल स्तर में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिलेगा। मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ और कार्यकारी अभियंता नितिन भार्गव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

फाइनेंसरों के दबाव में युवक ने की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। युवक के दो साल का एक बेटा है। वहीं युवक के पास से एक सुसाइड नोट भी मिला बताया जा रहा है। जिसमें कुछ फाइनेंसरों का नाम लिखा हुआ है। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मोहल्ला महल मिश्रवाड़ा निवासी करीब 25 वर्षीय युवक अमन कुमार छोटे मोटे व्यवसाय कर अपना जीवन यापन कर रहा था। कभी वह फलों की ढेली लगाता था तो कभी अंडों की रेहड़ी। मोहल्लावासियों के अनुसार उसने इन कामों के लिए फाइनेंसरों से ब्याज पर पैसे लिए हुए थे। इन पैसों को वह दे नहीं पा रहा था। जिसके कारण फाइनेंसर उस पर दबाव बना रहे थे। फाइनेंसरों के इसी दबाव के चलते उसने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। जिससे उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों को जब इस बारे में पता चला, तो उन्होंने उसको तुरंत सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतक युवक शादीशुदा था तथा उसके एक दो साल का बच्चा भी है। वहीं इस बारे में परिजनों ने पुलिस में शिकायत दी है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमॉर्टम करवाया।

19 एकड़ की अवैध कॉलोनी पर चला पीला पंजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला नगर योजनाकार की टीम ने नियंत्रित व शहरी क्षेत्र में लगभग 19 एकड भूमि में अवैध कॉलोनी में तोड़फोड़ की कार्रवाई की। इस कार्रवाई के दौरान लगभग 19 एकड भूमि में 50 डीपीसी व छह चारदीवारी तथा दो अवैध निर्माण के साथ-साथ सभी रोड नेटवर्क उखाड़ दिए गए। यह पूरी तोड़फोड़ कार्रवाई जिला नगर योजनाकार एवं ड्यूटी मजिस्ट्रेट गुंजन वर्मा की अगुवाई में कनिष्ठ अभियंता हेमंत शर्मा, जितेन्द्र कुमार के साथ पुलिस बल की मौजूदगी में जिला प्रशासन की मदद से अमल में लाई गई।

जिला नगर योजनाकार गुंजन वर्मा ने लोगों से अपील की है कि नियन्त्रित क्षेत्र/शहरी क्षेत्र में कोई भी निर्माण बिना विभागीय अनुमति के न करें तथा महानिदेशक नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग हरियाणा से लाइसेंस अनुमति लेने उपरान्त ही कृषि भूमि को रिहायशी अथवा वाणिज्यिक उपयोग के लिए परिवर्तित करें अन्यथा चूककर्ताओं के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। इसीलिए आमजन से बार-बार यही अपील की जाती है कि किसी भी अवैध कॉलोनी में कोई प्लाट प्रॉपर्टी डीलर्स के बहकावे में आकर न खरीदें और न ही अवैध निर्माण करें। कोई भी प्लाट खरीदने से पहले कॉलोनी की वैधता बारे व निर्माण करने से पूर्व नियमानुसार अनुमति लेने बारे जिला नगर योजनाकार कार्यालय से किसी भी कार्यदिवस में पता किया जा सकता है। जिला नगर योजनाकार ने बताया कि भविष्य में जिले में अन्य स्थानों पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

■ 50 डीपीसी, छह चारदीवारी व दो अवैध निर्माण सहित सभी रोड नेटवर्क उखाड़े

नारनौल। अवैध निर्माण हटाती जेसीबी मशीन।

अस्पताल की बेसमेंट में काम करते समय युवक की मौत

नारनौल। अस्पताल की बेसमेंट में काम करते समय एक 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मौत के कारणों का पता नहीं चला है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लिया। जानकारी के अनुसार महेंद्रगढ़ रोड स्थित सीबीएम नाम के प्राइवेट अस्पताल में अस्पताल संचालक की ओर से कंस्ट्रक्शन का कार्य करवाया जा रहा है। इसी कार्य के लिए गांव आजमनगर सिहार से 35 वर्षीय संदीप नामक युवक काम करने के लिए आया हुआ था। काम करते करते अचानक उसकी तबीयत खराब हो गई तथा वह वहां पर लगी मेज पर लेट गया। इस दौरान जब किसी ने उसको उठाने की कोशिश की, तो वह उठ नहीं पाया। सूचना मिलने पर अस्पताल के चिकित्सकों ने उसकी जांच की व प्राथमिक उपचार भी दिया। बाद में डाक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद महावीर चौक पुलिस चौकी से पुलिस पहुंची। पुलिस ने इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी। जिसके बाद मृतक युवक का नागरिक अस्पताल से पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

SURAJ DEGREE COLLEGE
Bucholi Road, MAHENDERGARH

REQUIRES

Admin Department — Dean, Vice Principal, Academic Head, HOD's

Science Department — Assoc. / Asst. Prof.
Computer Science, Physics, Chemistry, Mathematics, Zoology, Botany,

Humanities & Commerce Department — Assoc. / Asst. Prof.
Yoga, English, Hindi, Commerce
History, Geography, Political Science

Support Staff — Lab Assistant for Physics, Chemistry, Zoology, Botany, Computer, Receptionist, Electrician, Discipline Incharge, Computer Operator, Sports Incharge.

Walk in Interview
Come with resume, a set of photocopy of academic records and recent PP size photographs at College Campus
Sunday, 20th July, 2025
(TIME : 10:00 am to 2:00 pm)
Call : 9991530053, 8607555793 email : info@surajeducation.com

अस्पताल में टीम को भारी मात्रा में दवाइयों का स्टॉक मिला

सीएम फ्लाइंग टीम ने इलेक्ट्रो होम्योपैथी अस्पताल में छापा मारा

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

गांव खुडाना में सीएम फ्लाइंग व गुप्तचर विभाग की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए वीरवार को एक इलेक्ट्रो होम्योपैथी अस्पताल में छापा मारा। टीम के अनुसार जांच के बाद यहां से कतिथ फर्जी डॉक्टर मिला। अस्पताल में सीएम फ्लाइंग टीम को भारी मात्रा में दवाइयों का स्टॉक भी मिला है। कृषि विभाग नारनौल के एसडीओ मंजीत सिंह को ड्यूटी मजिस्ट्रेट बनाया गया है। सीएम फ्लाइंग को गांव खुडाना में एक अस्पताल चलने की सूचना मिली। इस अस्पताल का डॉक्टर अपने आपके पास एलर्जी चर्म रोग डिग्री का दावा कर रहा था, लेकिन उसके पास से कोई डिप्लोमा नहीं पाया गया। टीम ने दोपहर 12 बजे के आसपास गांव खुडाना के शिवम अस्पताल एलर्जी चर्म रोग क्लिनिक पर छापेमारी की कार्रवाई की गई। टीम में मुख्यमंत्री उड़नदस्ता की ओर से निरीक्षक राजेश कुमार, कृषि विभाग के एसडीओ ड्यूटी मजिस्टेट मंजीत सिंह, स्वास्थ्य विभाग नारनौल से डॉ. पंकज व आयुर्वेद अधिकारी डॉ. सुमन की संयुक्त टीम द्वारा गांव खुड़ाना के निजी अस्पताल में छापेमारी की। इस दौरान टीम को अस्पताल में गांव खुडाना निवासी श्यामवीर चिकित्सक का काम करता पाया गया और मरीजों का इलाज भी कर रहा था, जब टीम द्वारा उससे अस्पताल के दस्तावेज मांगे तो वह दस्तावेज दिखाने में असमर्थ रहा, उसके पास अस्पताल से संबंधित कोई रजिस्ट्रेशन नहीं पाया गया और ना ही कोई वैलिड डिप्लोमा डिग्री पाई गई। उपरोक्त के पास भारी मात्रा में दवाइयों का स्टॉक मिला। इसके बाद मौके पर ड्रग इंस्पेक्टर प्रशांत को बुलाया गया। समाचार लिखे जाने तक चेकिंग में लगे हुए थे। चेकिंग पूरी होने के बाद अस्पताल को सील किया जाएगा एवं डॉक्टर को हिरासत में लेकर कानून कारवाई की जाएगी।

महेंद्रगढ़। सीएम फ्लाइंग टीम ने इस अस्पताल में मारा छापा। फोटो : हरिभूमि

टीम ने दस्तावेज मानने से किया इनकार

इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिकल काउंसिल हरियाणा के चेयरमैन डॉ. विनोद खनगवाल ने बताया कि डॉ. श्यामबीर तंवर ने सीएम फ्लाइंग टीम को दस्तावेज दिखाए तो उन्होंने इसे मानने से इनकार कर दिया और कहा कि इलेक्ट्रोहोम्योपैथी को प्रदेश में मान्यता नहीं है। इसलिए दस्तावेज मान्य नहीं हैं। आपको अस्पताल बंद करना होगा। अस्पताल का संचालन डॉ. श्यामबीर तंवर और डॉक्टर नुपूर भारद्वाज द्वारा किया जा रहा है। ये इलेक्ट्रोहोम्योपैथी के डॉक्टर हैं। यहां इसी पैथी के जरिये यहां मरीजों का उपचार किया जाता है। इस मामले को इलेक्ट्रोहोम्योपैथी मेडिकल काउंसिल (ईएचएमसीएचआर) ने संज्ञान में लिया।

खानपुर के युवक की उपचार के दौरान मौत

नारनौल। गांव खानपुर निवासी करीब 36 वर्षीय योगेंद्र की किडनी फेलीयर एवं लंग प्रॉब्लम के कारण असमय ही मौत हो गई। इससे परिवारजन गमगमीन हैं। जानकारी मुताबिक योगेंद्र को बचपन से ही किडनी की परेशानी थी। उनके पिता वीरेंद्र सिंह ने बताया कि वह आर्मी में कार्यरत रहे हैं। योगेंद्र को वर्ष 2010 में उसकी मां ने अपनी किडनी डोनेट की थी, जिसे आर्मी अस्पताल में ट्रांसप्लांट भी कर दिया गया था। योगेंद्र ने नांगल चौधरी में लैपटॉप कंप्यूटर की दुकान कर रखी थी और अब उसे पुनः किडनी एवं लंग प्रॉब्लम हो गई थी। उसका उपचार भी कराया गया, लेकिन रेवाड़ी से गुरुग्राम ले जाते वक्त मानसेर-बिलासपुर के नजदीक उसकी सांसें रूक गई। उसे फोर्टिस अस्पताल गुरुग्राम के चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जिसके उपरांत उसे नागरिक अस्पताल नारनौल लाया गया, जहां पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। वह अविवाहित था और दो भाईयों में बड़ा था।

आम का नाम सुनते ही इन्हें खाने के लिए मन ललचा जाता है। ललचाए भी क्यों ना, यह खाने में मीठे, रसीले के साथ खट्टे-चटपटे भी होते हैं। तरह-तरह के आमों के पीछे मजेदार किस्से छुपे हैं, एक रोचक इतिहास है। बच्चो, आमों से जुड़ी तुम्हारे लिए बहुत ही रोचक जानकारी।

स्पेशल : नेशनल मैंगो-डे, 22 जुलाई

मजेदार किस्सों से भरे मीठे-रसीले आम

रोचक

देवेंद्र मेवाड़ी

नन्हे दोस्तो, तुम्हें मीठे-मीठे रसीले आम खाने में खूब मजा आता होगा। आज हम तुम्हें आम से जुड़ी कई कहानियां और इतिहास बताते हैं।

कहां हुआ आम का जन्म

आम का जन्म वहीं हुआ, जहां हमारा जन्म हुआ! मतलब आम और हमारी जन्मभूमि भारत ही है। वैज्ञानिक कहते हैं कि हमारे देश में आम का जन्म हजारों वर्ष पहले इसके पूर्वी भाग में हुआ। भारत के साथ-साथ बर्मा मतलब म्यांमार में भी आम का जन्म हुआ। भारत में कम से कम 5,000 साल से आम उगाया जा रहा है।

इतिहास के झरोखे में आम

सिकंदर जब भारत पर आक्रमण करने के लिए आया तो उसने सिंधु घाटी में पहली बार आम के पेड़ देखे। चीनी बौद्ध यात्री ह्वेनसांग ने भी भारत में आम के पेड़ देखे। वह अपने साथ आम को चीन ले गया। प्रसिद्ध विदेशी यात्री इब्न-बतूता ने तो लिखा है कि भारत के लोग आम के फलों को चूसते हैं या काट कर खाते हैं और कच्चे आम का अचार डालते हैं। मुगल बादशाहों ने भी आम की बड़ी तारीफ की है। बाबर ने इसे हिंदुस्तान का सबसे उम्दा फल बताया। अकबर ने बिहार में दरभंगा के लालबाग में आम के एक लाख पेड़ों का बाग लगवाया। पुर्तगाली जब भारत आए तो उन्होंने केरल में पहली बार आम देखा। वहां लोग मलयालम भाषा में इसे मामपलम कहते थे। पुर्तगाली इस फल को मांगो कहने लगे। बाद में जब अंग्रेज आए तो उन्होंने इस मांगो को मैंगो कहना शुरू कर दिया।

किस्म-किस्म के आम

दोस्तो, भारत से आम दुनिया भर में फैला। फिर भी आज दुनिया में इसकी सबसे अधिक बागवानी हमारे देश में ही की जाती है। इसकी एक-दो नहीं बल्कि सैकड़ों किस्में हैं। इतनी कि अगर आम के नाम बताने लगें तो ना जाने कितने पन्ने भर जाएंगे। लो जानो आमों की अनगिनत वैरायटीज में से कुछ के नाम- दशहरी, चौसा, लंगड़ा, सफेदा, बंबइया, बंगलौरा, गुलाब खास, जर्दालू, फजली, समर बहिश्त चौसा, नीलम, सुवर्ण रेखा, बंगनपल्ली, पैरी, मलगोवा, मल्लिका, अल्फांसो, आम्रपाली आदि। यानी, देश के हर कोने में हर किसी के लिए आम की कोई न कोई किस्म जरूर है।

आमों के किस्से

दोस्तो, किस्म-किस्म के आमों के किस्से भी बहुत मजेदार हैं। 'लंगड़ा' को ही ले लो। भला, लंगड़ा किस लिए? इसलिए कि इस किस्म के आम का पहला पेड़ बनारस में एक लंगड़े फकीर बाबा के घर के पिछवाड़े में उगा था! वहीं से चारों ओर फैला। और, स्वादिष्ट दशहरी, यह लखनऊ के पास मलीहाबाद के दशहरी गांव में पैदा हुआ। इसका स्वाद इतना अच्छा था कि आम लोगों ने तो इसे मुंह लगाया ही, लखनऊ के नवाबों और वजीरों ने भी इसे खूब पसंद किया। मलीहाबाद तहसील के ही चौसा गांव में लोगों ने जब पहली बार एक अलग स्वाद और सुगंध वाला आम चखा तो उसका नाम 'समरबहिश्त चौसा' रख दिया। और फजली, फजली क्यों कहलाया? इस बारे में कहते हैं, बिहार के भागलपुर में एक औरत थी, फजली। पहली बार उसी के आंगन में फला-फूला था यह आम। इसे पालने-पोसने वाली फजली के नाम पर यह फजली कहलाया। भागलपुर से यह पूरे बिहार में ही नहीं, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और पंजाब तक फैल गया। अब सुनो कलमी आम की कहानी। कलम लगाने की कला ने किस्म-किस्म के आम पैदा करने में हमारी बड़ी मदद की है। यों तो मुगल बादशाहों के जमाने में आम की खूब कलमें बांधी गईं, लेकिन आज कलम लगा कर आम की एक से एक बढ़िया किस्म तैयार की जा रही है। इस कला में भी मलीहाबाद, लखनऊ के हाजी कलीम उल्ला खान साहब ने तो कमाल ही कर दिखाया है। वे कलम लगा कर आम के एक ही पेड़ में 300 से भी अधिक किस्मों के आम पैदा कर चुके हैं।

हाजी कलीम उल्ला खान साहब

दोस्तो, विदेशी लोग यह देखकर हैरान रह जाते हैं कि हम खट्टे-मीठे आमों का किस-किस तरह से स्वाद ले लेते हैं। कच्चे आम की चटनी और अचार बना लेते हैं। पके हुए देशी आम को मजे से चूस लेते हैं और कलमी आम को सफाई से काट कर सलीके से खाते हैं। लू की लपटों से बचने के लिए आम का 'पना' बना लेते हैं तो पके फलों को दूध में घोट कर मैंगो शेक तैयार करते हैं। आम के रस और गूदे से अमावट यानी आम-पापड़, अंबापोली और आम-पट्टी बना लेते हैं। आम का स्क्वैश, जैम, जैली और मुरब्बा भी बना लेते हैं।

नन्हे प्यारे दोस्तो, एक बात जरूर याद रखना, आम बहुत पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी और कई खनिज पाए जाते हैं। इसलिए दोस्तो, आम के गुण गाए जाओ और खूब आम खाए जाओ। *

दुनिया का सबसे मीठा-कीमती आम

दोस्तो, मीठे आम तो हम सभी को पसंद हैं, लेकिन जानते हो, दुनिया में सबसे अधिक मीठा आम कौन-सा है और कहां पैदा होता है? दुनिया का सबसे मीठा आम है काराबाओ मैंगो, जो फिलीपींस में पैदा होता है। इसे मनीला मैंगो भी कहते हैं। यह आम खूब मीठा होता है, इसमें रेशा नहीं होता। हमारे देश में अल्फोंसो हापुस सबसे स्वादिष्ट आम माना जाता है। बाजार में सबसे कीमती आम भी यही है। लेकिन, दुनिया का सबसे कीमती आम है जापान का मियाजाकी आम। एक किलो मियाजाकी आम की कीमत है करीब तीन लाख रुपए।

काराबाओ मैंगो

मियाजाकी मैंगो

स्पेशल : इंटरनेशनल आइसक्रीम-डे, 20 जुलाई

टिन्नी की बुरी आदत थी कि वह अपने भाई पीयूष के साथ कोई चीज शेयर नहीं करती थी, जबकि भाई उसका बहुत ख्याल रखता था। एक दिन कुछ ऐसा हुआ कि टिन्नी ने अपनी यह बुरी आदत स्वयं ही छोड़ दी।

आइसक्रीम ने सिखाया सबक

छोटी कहानी

अलका 'सोनी'

टिन्नी और पीयूष भाई-बहन हैं। टिन्नी की एक बुरी आदत है, वो कोई भी चीज अपने भाई के साथ शेयर नहीं करती है। लेकिन पीयूष कुछ नहीं कहता। उसे जब भी कोई चीज मिलती है तो अपनी छोटी बहन के साथ जरूर शेयर करता है।

वीकेंड आने वाला था। संडे को पापा के साथ कहां विजिट करने जाना है, इसकी प्लानिंग दोनों भाई-बहन कर रहे थे। टिन्नी बोली, 'क्यों न इस बार मॉल चलें। आइसक्रीम-डे भी आने वाला है। हम वहां बढ़िया से बढ़िया आइसक्रीम खाएंगे।'

एआई इमेज

आइसक्रीम-डे को लेकर पीयूष और टिन्नी दोनों बहुत खुश थे। दोनों ने सोच रखा था कि आइसक्रीम के कम से कम दो-दो फ्लेवर तो खाएंगे ही। संडे आ गया। दिन भर बहुत गर्मी रही। शाम होने पर पीयूष-टिन्नी, पापा के साथ मॉल गए। वहां आइसक्रीम कॉर्नर पर ढेरों फ्लेवर की आइसक्रीम सजी थीं। कुछ दूर पर टर्किश आइसक्रीम वाला भी था। पीयूष टर्किश आइसक्रीम वाले के पास आ गया, उससे बातें कीं और फिर आइसक्रीम खाई। उसने साथ खड़ी टिन्नी को भी खिलाई। टिन्नी को टूटी-फ्रूटी आइसक्रीम चाहिए थी। वो पापा के साथ उसे लेने चली गई। वापस आने पर पीयूष ने टिन्नी से अपनी आइसक्रीम टेस्ट कराने को कहा तो उसने हमेशा की तरह मना कर दिया। पापा ने पीयूष को भी टूटी-फ्रूटी आइसक्रीम दिलवा दी। पीयूष और टिन्नी आइसक्रीम खाते-खाते मॉल से बाहर निकल आए। पापा दोनों को एक किनारे खड़ा कर अपनी कार पार्किंग से निकालने चले गए। तभी बात करते-करते आइसक्रीम टिन्नी की हाथों से छूटकर जमीन पर गिर गई। आइसक्रीम गिरने से टिन्नी रोने लगी। पीयूष उसे उदास देखकर उसके करीब आया और बोला, 'टिन्नी, तुम मेरी आइसक्रीम ले लो, मैं तो वैसे भी एक आइसक्रीम खा चुका हूं। ज्यादा खाऊंगा तो नुकसान पहुंचाएगी।'

इस बात पर टिन्नी चौंकी और बोली, 'तुम मुझसे अपनी आइसक्रीम शेयर करोगे? मैं तो कभी कोई चीज तुमसे शेयर नहीं करती।'

'तो क्या हुआ, तुम मेरी छोटी बहन हो। हमें एक-दूसरे से अपनी चीजें शेयर करनी चाहिए। अब इसे खा लो जल्दी से, नहीं तो यह भी गल कर गिर जाएगी।' यह कहकर पीयूष हंस पड़ा।

टिन्नी ने प्यार से अपने पीयूष भइया को गले लगा लिया। उसने मन ही मन अपने आप से प्रॉमिस कर लिया था कि वह भी अपने भइया के साथ हर चीज शेयर करके खाया करेगी। *

कविता / डॉ. मीरा सिंह 'मीरा'

आम रसीला

एआई इमेज

आओ मोहन आओ लीला
आओ खाएं आम रसीला।
लगे सभी को मीठा प्यारा
फल का राजा आम रसीला।
लाल-लाल कुछ पीला-पीला
बहुत निराला आम रसीला।
सीढ़ी लेकर दौड़ा राजू
पीछे दौड़ा राम छबीला।
हंसी खुशी सब चढ़े सीढ़ियां
लगे तोड़ने आम रसीला।
हंसकर बोला राम छबीला
सब मिल खाएं आम रसीला।।

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

अलग-अलग रंगों की कविताएं

बच्चो, तुम्हें कविताएं बहुत पसंद आती हैं। कुछ बच्चे तो इन्हें गाते-गुनगुनाते भी हैं। तुम्हारे लिए ऐसी ही कविताओं का एक नया संग्रह आया है, जिसे निरंकारदेव सेवक ने लिखा है। इसमें छोटी-बड़ी प्यारी-प्यारी 63 कविताएं संकलित हैं। कुछ छोटी तो इतनी छोटी हैं कि बस चार पंक्तियों में सिमटी हुई हैं, वहीं बड़ी कविताएं किताब के दो पृष्ठों तक में फैली हैं। संग्रह की इन सब कविताओं के अपने अलग और निराले रंग हैं। कहीं तो ये इन्हें बच्चों से बातें करती हैं तो कहीं एक भरा-पूरा किस्सा सुना देती हैं। कुछ कविताओं में तो सीख-भरी बातें भी पिरो दी गई हैं। संग्रह के शुरू में इसके संपादक की लिखी एक भूमिका भी है, जो इन कविताओं के लेखक और इनकी कविताओं के बारे में बहुत सी बातें बताती है। विशेष बात यह है कि इस किताब की कविताओं के साथ मोहक चित्र भी छपे हैं। *

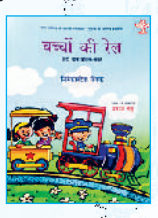

किताब : बच्चों की रेल (बाल कविता संग्रह), **लेखक :** निरंकारदेव सेवक, **चयन-संपादन :** प्रकाश मनु, **मूल्य :** 100 रुपए, **प्रकाशक :** साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

जीके क्विज-162

1. अंतरिक्ष में जाने वाले भारत के पहले एस्ट्रोनॉट कौन थे?
2. एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला के साथ किन-किन देशों के एस्ट्रोनॉट्स इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) गए थे?
3. सबसे पहले किस विदेशी नागरिक को भारत रत्न से सम्मानित किया गया था?
4. 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' किसकी आत्मकथा है?
5. उड़ने वाले एक मात्र स्तनधारी जंतु का क्या नाम है?
6. मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय कौन थीं?
7. नोवाक जोकोविच किस खेल के विश्व प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं?
8. एचसीएल किस एसिड का रासायनिक सूत्र है?
9. महात्मा बुद्ध को किस स्थान पर ज्ञान की प्राप्ति हुई थी?
10. चंडीगढ़ किन दो राज्यों की संयुक्त राजधानी है?

बच्चो, जीके क्विज-162 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-161 का उत्तर : 1.आस्था पूनिया, 2. दिव्यांशी भौमिक, 3.पराग जैन, 4.1757 ईस्वी, 5.ब्यूनस आयर्स, 6.फुटबॉल, 7. स्फिग्मोमैनोमीटर, 8. जापानी येन, 9.थॉमस एडिसन, 10.सात

जीके क्विज-161 का सही उत्तर देने वाले : चंचल-गरियाबंद, सौरभ-बिलासपुर, सौम्या-जांजगीर, कबीर-हिसार, स्वप्निल-जांजगीर, रानू-राजनांदगांव, ओंकार-धमतरी, शुभम-भोपाल, श्वेता-रायपुर, जीतू-दुर्ग

कहानी

विजय सिंह चौहान

बारिश का मौसम हो, रिमझिम फुहारें पड़ रही हों और बच्चों को मस्ती ना सूझे, यह कैसे हो सकता है! सिया, रवि, अर्जुन और पीहू को भी बारिश में मस्ती सूझी। बच्चों ने खेल-खेल में बारिश का मजा ऐसे लूटा कि उन्हें समझ में आ गया कि जो मजा एकसाथ खेलने में है, वह मोबाइल पर वीडियो गेम खेलने में नहीं है।

बारिश का मजा

'बारिश शुरू हो गई!' सिया खिड़की से बाहर झांकते हुए खुशी से चिल्लाई। रवि, अर्जुन और पीहू भी भागे-भागे खिड़की पर आ गए। काले बादल गरज रहे थे। बारिश की फुहारें धरती को भिगो रही थीं। ठंडी हवा बह रही थी। सिया-रवि के कजिंस अर्जुन-पीहू भी घर के ऊपर वाले फ्लोर पर साथ ही रहते हैं। आज संडे था। बारिश में मौसम सुहाना होने से बच्चे पूरी तरह मस्ती के मूड में हो गए।

'चलो बाहर चलते हैं!' रवि चहकते हुए बोला।

'बारिश में भीगने...?' पीहू ने आंखें फैलाते हुए पूछा। 'हां! और कागज की नाव भी बनाएंगे, पानी में बहाएंगे!' अर्जुन ने उछल कर कहा।

चारों भाई-बहन भागे-भागे पुराने रजिस्टर निकाल लाए। पन्ने फाड़े गए। देखते-देखते कई सुंदर नावें बन गईं।

'मेरी नाव सबसे लंबी है!' रवि ने हाथ ऊपर उठाकर अपनी नाव हवा में घुमाई।

'पर मेरी सबसे सुंदर है!' पीहू ने उस पर बनाई गुलाबी तितली दिखाते हुए कहा।

'चलो! बाहर इन्हें पानी में बहाते हैं!' सिया ने कहा और सब बाहर की ओर दौड़ पड़े।

बाहर बारिश का पानी बह रहा था। एक-एक कर सबने अपनी नावें पानी में छोड़ दीं।

नावें डगमगाईं, दो उलट गईं, दो बहती चली गईं।

'अर्जुन! तेरी नाव तो उलट गई!' रवि बोला।

'कोई बात नहीं, अगली बार मजबूत बनाऊंगा!' अर्जुन बोला। बारिश तेज हो गई थी। बच्चों के चेहरों पर खुशी बढ़ती जा रही थी।

'चलो नावों की रेस करते हैं, नई नावें बनाते हैं।' सिया बोली।

'जिसकी नाव सबसे दूर जाएगी, वही विजेता!' पीहू ताली बजाते हुए बोली।

नावें फिर से बनाई गईं, बहते पानी में छोड़ी गईं। रवि की नाव आगे निकली, फिर अचानक किसी ईंट से टकरा कर रुक गई। उधर पीहू की नाव सबसे दूर पहुंच गई।

'मैं जीत गई!' पीहू उछल पड़ी।

'अगली बार मैं हवाई जहाज बनाऊंगा, उसे उड़ाएंगे!' अर्जुन ने कहा।

'नहीं, अगली बार हम सब मिलकर एक बड़ी नाव बनाएंगे।' रवि बोला, 'और उसमें झंडा भी लगाएंगे!'

सभी बच्चों ने हामी भरी और ठहाका मार कर हंस पड़े। तभी बिजली कड़की, एक पल के लिए बच्चे डर गए। लेकिन डर भी मजेदार था, क्योंकि सब साथ थे।

बारिश में सब भीग चुके थे। कपड़े गीले हो गए थे, लेकिन बच्चे बहुत खुश थे। आज किसी को मोबाइल की याद नहीं आई, ना ही वीडियो गेम की। आज सिर्फ बारिश थी, कागज की नावें थीं, सबकी खिलखलाती हंसी थी। काफी देर तक सभी बारिश की मस्ती में डूबे रहे। जब थक गए तो चारों बच्चे घर के भीतर लौट आए। तौलिए से देह पोंछी, अपने भीगे कपड़े बदले। सिया की मम्मी ने सबको गर्म दूध पीने को दिया। इसके बाद चारों बच्चे बिस्तर पर चादर ओढ़कर लेट गए। देर तक पानी में भीगने से सबको जाड़ा लग रहा था।

'आज मजा आ गया..!' रवि बोला।

'हम रोज साथ खेलेंगे, चाहे बारिश हो या न हो, एक साथ खेलना कितना अच्छा लगता है!' पीहू बोली।

'हां बहुत अच्छा लगता है, मोबाइल से ज्यादा मजा तो सबके साथ असली खेल खेलने में आता है!' सिया चहकते हुए बोली। इस पर सभी बच्चों ने भी सिर हिलाकर हामी भरी। *

कविता

सतीश मिश्र

एआई इमेज

बारिश की छम-छम

रिमझिम बारिश की छम-छम,
बिजली चमक रही चम-चम।
छप-छप-छैया पानी में,
खेल रहे हैं सब मिल हम।
कोई तैराता नैया
कागज की सरपट भैया।
कोई अपने आंगन में,
नाच रहा ता-ता थैया।
अंजुरी में पानी भरकर
गीली मिट्टी से रचकर
कुछ बच्चे दरवाजे पर,
बना रहे हैं अपना घर।
उस घर की छत पर छानी,
क्या मजाल टपके पानी।
जिसमें गुड्डा बैठाया,
और साथ गुड़िया रानी।

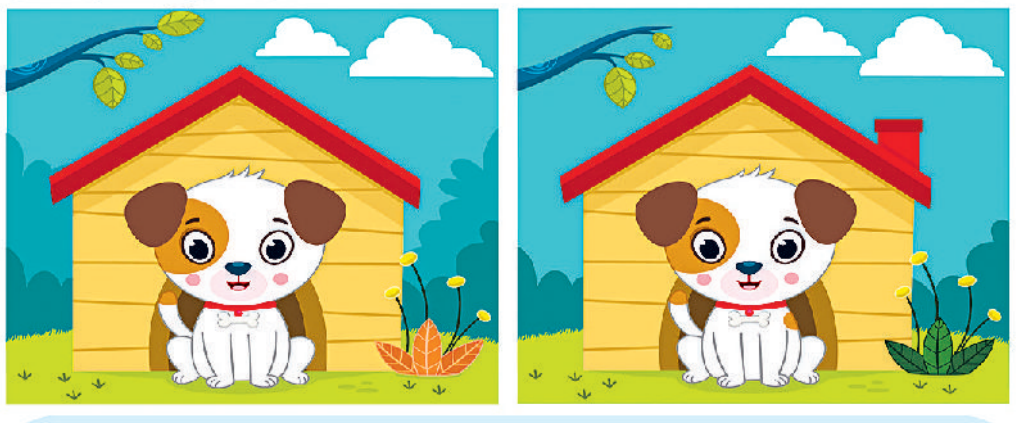

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पपी हाउस के बाहर बैठे एक क्यूट पपी के दो चित्र दिए गए हैं। इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम फटाफट तीन मिनट में ये पांचों अंतर ढूंढ़कर बताओ।

परछाई पहचानो

बच्चो, यहां बाईं तरफ एक आदमी और डॉगी का चित्र दिया गया है। चित्र के दाईं तरफ कुछ परछाइयां भी दी गई हैं। ध्यान से देखकर बताओ, दिए गए चित्र की सही परछाई कौन-सी है?

उत्तर : f

खबर संक्षेप

कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ

नारनौल। खरकड़ा, बास, धनौन्दा के श्रद्धालुओं ने पावर हाउस के पास हनुमान मंदिर में व उच्चत, भाला सड़क मार्ग के चौराहे पर बाबा वचनपुरी सेवा समिति झाड़ली के सौजन्य से कांवड़ियों की सेवा के लिए शिविर लगाए गए। प्रमुख समाजसेवी बसपा नेता अतरलाल एडवोकेट ने दोनों शिविरों का शुभारम्भ रिबन काटकर तथा शिव ज्योति प्रज्वलित कर किया।

मधुर वाटिका में किया पौधरोपण

नारनौल। हुडा सेक्टर-एक स्थित मधुर वाटिका में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत संतोष मेमोरियल पुनर्वास एवं शोध केंद्र के शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया तथा मधुर वाटिका का भ्रमण किया। कभी मधुर वाटिका कभी एक सुनसान पड़ा क्षेत्र था, जिसे प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. आरएन यादव के मार्गदर्शन में समाजसेवी अमरजीत सिंह, श्योकरण, अत्तरसिंह, रिटायर्ड बीईओ राम अवतार डाडैया एवं उनके सहयोगियों ने अथक परिश्रम और समर्पण से हरा-भरा बना दिया।

शिव पंच परिवार की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। हगांव बवाना स्थित प्राचीन भूतेश्वर शिव मंदिर में वीरवार को भगवान शिव पंच परिवार की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन सर्वार्थ सिद्धि योग में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन साध्वी कौशिक गिरी और सहदेव भगत के सानिध्य में हुआ। आचार्य मनीष जोशी द्वारा विधिवत यज्ञ किया गया। महोत्सव की शुरूआत सेठ प्रभुदयाल धर्मशाला से भव्य कलश यात्रा के साथ हुई, जिसमें गांव की 251 महिलाओं ने भाग लिया। कलश यात्रा गांव के मुख्य रास्तों से होते हुए मंदिर परिसर में पहुंची। आयोजन समिति की ओर से प्रत्येक कलश धारण करने वाली महिला को पंचमुखी रुद्राक्ष भेंट स्वरूप दिया गया। मूर्ति स्थापना के पश्चात भंडारे का आयोजन किया।

भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव के स्कूल में हुआ जलपान व वर्कर्स की सुनीं समस्याएं

राव बिरेंद्र सिंह व राव इंद्रजीत सिंह की कर्मभूमि रहा है नांगल चौधरी हलका: आरती राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

भाजपा के पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव की स्कूल में आयोजित जलपान कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग की कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव पहुंची। उन्होंने कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनी तथा 24 घंटे मिलने के लिए दरवाजा खुला रखने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे।

उन्होंने कहा कि नांगल चौधरी हलका राव बिरेंद्र सिंह व राव इंद्रजीत सिंह की कर्मभूमि रहा है। 2009 में परिसिमन होने के बाद राव इंद्रजीत सिंह गुरुग्राम लोकसभा से सांसद लगातार निर्वाचित हो रहे हैं। जिले में आवागमन कम होने के कारण कार्यकर्ताओं में मायूसी थी, उनकी सुविधा के लिए मुझे अटेली हलके से चुनाव लड़ाया गया है। यहां से पूरे जिले में समान विकास कार्य कराने में मदद मिलेगी।

नांगल चौधरी हलके में जल्द ही कार्यालय खोला जाएगा। जहां वर्करों की समस्या सुनने तथा समाधान की व्यवस्था रहेगी। भाजपा के कार्यकर्ता संघर्ष में विश्वास तथा सरकार की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का जुनून रखते हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में सरकार ने जन जन तक सुविधाजनक चिकित्सा व्यवस्था पहुंचाने का निर्णय लिया है। आबादी और ओपीडी रिपोर्ट के आधार पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को अपग्रेड किया जाएगा। सीएचसी और पीएचसी पर उपलब्ध सुविधाओं की रिपोर्ट मांगी गई है। जिनका आंकलन करने के बाद सुविधाओं को विस्तृत करने का प्रपोजल बनाया जाएगा। इस दौरान पार्टी के वर्करों ने भव्य अभिनंदन किया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश तंवर, जिला उपाध्यक्ष वासुदेव, मंडल प्रधान कर्मबीर सिंह, पूर्व मंडल प्रधान हंसराज सिराधना, जिला सचिव राजेश सैनी, अग्रवाल समाज के प्रधान महेंद्र अग्रवाल, सुनील सेठ, व्यापार मंडल के प्रधान बिक्रम सिंह, मंडल महामंत्री सरजीत, विजय शर्मा, देवीलाल, अनिल मांदी, छत्रपाल, जयसिंह, सरपंच राजेंद्र, दरियाव, भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष रामसिंह सैनी, श्योराम रावत, भवानी सिंह राजपूत, बलबीर सैनी, रोहताश बिगोपुर, जगराम सूबेदार, झूथाराम, पूर्व मंडल प्रधान बृजलाल छावड़ी, सुनीता सोनी, रामनिवास, शेरसिंह मेहरानिया, प्रदीप, हरिसिंह, रामकुवार सैनी मौजूद रहे।

नांगल चौधरी। सरस्वती स्कूल में कार्यकर्ताओं से रूबरू होती स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव। फोटो : हरिभूमि

नपा पार्षद, ट्रांसपोर्टर व नलवाटी कमेटी ने सौंपा ज्ञापन

नपा के पार्षद विकास शर्मा, कंवर सिंह जाखड़ समेत अन्य पार्षदों ने स्वास्थ्य मंत्री आरती राव को ज्ञापन सौंपकर अस्पताल में नया भवन बनाने की गुहार लगाई। नलवाटी कमेटी ने छिलरो पीएचसी को अपग्रेड करके सीएचसी बनाने का आग्रह किया। दूसरी तरफ ट्रांसपोर्टरों ने ज्ञापन सौंपकर विभिन्न सुविधाएं मांगी हैं। इस दौरान आरती सिंह राव को सैनी समाज, राजपूत, प्रजापत, जाट, यादव समाज ने पगड़ी पहनाकर अभिनंदन किया।

जनसभा में तबदील हो गया जलपान कार्यक्रम

भाजपा नेता दयाराम यादव ने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का जलपान कार्यक्रम रखा था, लेकिन पहली बार हलके में पहुंची स्वास्थ्य मंत्री का अभिनंदन करने के लिए कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हजारों की संख्या में पहुंची भीड़ को देखकर गदगद मंत्री ने आयोजक दयाराम यादव की जमकर तारीफ की। कहा कि नांगल चौधरी हलके से दयाराम सीनियर हैं और इन्होंने संगठन को मजबूत करने में बड़ा योगदान दिया है। दयाराम के परिश्रम को पार्टी जाया नहीं करेगी।

डीआरडीए हॉल में फ्लैगशिप योजनाओं पर कार्यशाला का आयोजन

युवा स्वरोजगार को अपनाकर सरकारी योजनाओं का फायदा उठाएं: डॉ. राकेश

डॉ. राकेश ने कहा कि आज के समय में युवाओं की कुशलता को बढ़ावा देना और उनके उद्योग स्थापित करने में सरकार पूरी तरह गंभीर है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

माई भारए युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय की ओर से डीआरडीए हॉल में फ्लैगशिप योजनाओं पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम में जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। डॉ. राकेश कुमार ने संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में युवाओं की कुशलता को बढ़ावा देना और उनके उद्योग स्थापित करने में सरकार पूरी तरह गंभीर है तथा हर संभव सहायता प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। युवाओं को स्वरोजगार की ओर बढ़ना चाहिए। जिससे एक स्वावलंबी राष्ट्र का निर्माण हो सकें। जिला युवा अधिकारी नित्यांनद यादव ने कहा कि युवाओं तक सरकारी योजनाओं की पहुंच के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ओर से अपने विभाग में चल रही राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यक्रम में पंजाब नेशनल बैंक प्रबंधक डीएन यादव ने बैंक की ओर से प्रदत्त विभिन्न स्कीम जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जिसमें लोग मात्र 20 रुपये वार्षिक दर पर दो लाख तक का दुर्घटना बीमा करवा सकते हैं।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना में उपभोक्ता 436 रुपये वार्षिक दर से भुगतान करके सामान्य मृत्यु होने पर भी दो लाख रुपये तक का फायदा आश्रित को मिल सकता है। अटल पेंशन योजना जिसमें उपभोक्ता नियमित रूप से अंशदान करके कैटेगरी वाइज पेंशन के हकदार हो सकते हैं। साइबर क्राइम के बारे में उन्होंने विस्तार से बताया और समझाया कि थोड़ी सी जागरूकता हमारे लाखों का नुकसान होने से बचा सकती है। युवा एजुकेशन लोन के साथ अपनी कुछ शिक्षा आसानी से ग्रहण कर सकते हैं जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कोई भी छात्र आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई ना छोड़नी पड़े।

नारनौल। कार्यक्रम में संबोधित करते जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार। फोटो : हरिभूमि

स्वरोजगार के रास्ते अपनाने चाहिए

एमएसएमई से जिला औद्योगिक विस्तार अधिकारी अजय यादव ने बताया कि युवाओं को स्वरोजगार के रास्ते अपनाने चाहिए। इसके लिए विभाग हर संभव सहायता उपलब्ध करवाने को तत्पर है। फूड प्रोसेसिंग युनिट अगर कोई उद्यमी लगाता हैं, तो एक करोड़ तक का लोन करवाया जाता है, जिस पर 35 प्रतिशत सब्सिडी उपलब्ध करवाई जा रही है। प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत सेवा उत्पाद, मेन्युफेक्चरिंग यूनिट के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। जिस पर 50 लाख तक लोन और 35 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत हस्त शिल्प से जुड़े 18 प्रकार के व्यवसाय के लिए एक लाख तक का लोन और प्रशिक्षण दिया जाता है। युवा उद्यमी जिस क्षेत्र में भी कार्य कर रहे हैं। उन्हें उद्यम का पंजीकरण जरूर करना चाहिए। इस सेमिनार में जिला सूचना प्रसारण अधिकारी प्रशांत कुमार, माई भारत लेखाकार महेन्द्र सिंह, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों के अलावा युवा क्लबों व माई भारत के 90 युवाओं ने हिस्सा लिया।

किसान क्रेडिड कार्ड के बारे में दी जानकारी

सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक के प्रबंधक लालचंद ने युवाओं को किसान क्रेडिट कार्ड के बारे में बताया कि फसल उत्पादन के लिए लोन दिया जाता है। इसके साथ ही पशु किसान क्रेडिट कार्ड भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। गृह ऋण, वाहन ऋण भी बैंक द्वारा दिए जाने का प्रावधान है। जिला सलाहकार जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन महेंद्रगढ़ मंगतूराम सरसवा ने कहा कि वर्तमान में जिले अधिकांश रूप से डार्क जोन की स्थिति में है, उससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि उपलब्ध पानी की गुणवत्ता भी तय मानकों पर खरा नहीं उतर पा रही है। हमें अपने जल स्रोतों की स्वच्छता को बनाए रखना होगा। जिन गांवों में नहरी पानी स्कीम लागू हैं। उनमें हमें पेयजल के लिए उसी पानी का उपयोग हमें अधिकतम करना चाहिए। जिला केंद्र पर स्थित लैब से हम अपने पेयजल की गुणवत्ता की जांच करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि समिति में शामिल स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्या ग्राम स्तर पर ही उपभोक्ताओं को नये नल कनेक्शन प्रदान करने व बिल भुगतान की सुविधा प्रदान करवाती हैं। माय भारत के एक्सपीरियंस लर्निंग प्रोग्राम के माध्यम से युवा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के साथ मिलकर समाजसेवा व करियर निर्माण में भूमिका निभा सकते हैं।

महेंद्रगढ़। चंडीगढ़ में सम्मान प्राप्त करते जीएम प्रशांत यादव। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़ सहकारी बैंक को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नाबार्ड का 44वां स्थापना दिवस चंडीगढ़ के ललित होटल में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रदेश के सहकारिता, पर्यटन एवं जेल मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा ने रहे। नाबार्ड की क्षेत्रीय मुख्य महाप्रबंधक निवेदिता तिवारी ने नाबार्ड द्वारा चलाई जा रही महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि ग्रामीण भारत के विकास में नाबार्ड का उल्लेखनीय योगदान है। भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक विवेक श्रीवास्तव ने भी नाबार्ड की प्रासंगिकता तथा कार्यशैली पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्यातिथि ने नाबार्ड की विकास यात्रा पर बताया कि नाबार्ड ने ग्रामीण भारत के परिवेश को बेहतर बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में जब केंद्र में सहकारिता का अलग से मंत्रालय बनाया गया, उसके बाद से सहकारी आंदोलन में अभूतपूर्व तेजी देखने को मिली है। इसका श्रेय उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को दिया। उन्होंने बताया कि हरियाणा में 700 से अधिक पैक्स कम्प्यूटरीकृत हुई हैं, जिसके चलते अब अधिक पारदर्शिता से काम हो सकेगा। कार्यक्रम के दौरान सहकारिता मंत्री ने दी महेंद्रगढ़ केंद्रीय सहकारी बैंक को पैक्सों के पूर्ण कम्प्यूटरीकरण के लिए सम्मानित किया। बैंक के महाप्रबंधक प्रशांत यादव ने यह सम्मान ग्रहण किया। महेंद्रगढ़ जिले की तीन बहुउद्देशीय सहकारी समिति मिर्जापुर बाछौद, सिहमा और खटोटी कलां को भी इस दिशा मे सराहनीय कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। बैंक महाप्रबंधक ने महेंद्रगढ़ पहुंचने पर इस सम्मान को बैंक के निदेशक मंडल, नाबार्ड, हरको बैंक, ग्राहकों, सहकारिता विभाग के अधिकारियों तथा बैंक व पैक्स के कर्मचारियों को समर्पित करते हुए बताया कि पांच जुलाई को भी सहकारिता मंत्री ने बैंक को सम्मानित किया था। भविष्य में भी यह बैंक इसी तरह विकासोन्मुखी कार्य करता रहेगा। हरको बैंक प्रबंध निदेशक डॉ. प्रफुल्ल रंजन ने इस उपलब्धि के लिए बैंक को विशेष रूप से बधाई दी।

आभार व्यक्त किया

बैंक के चेयरमैन राजेंद्र शर्मा ने कहा कि हम सभी मिलकर अपने बैंक को इसी तरह विकास की दिशा में आगे ले जाएंगे तथा आगे भी इसी प्रकार से हम सरकार की नीतियों को बैंक के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने इस सम्मान के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं सहकारिता मंत्री अरविंद कुमार शर्मा के साथ-साथ नाबार्ड का आभार व्यक्त किया।

महेंद्रगढ़ जिले का सम्मान

बैंक निदेशक एवं विधायक कंवर सिंह यादव ने कहा कि इस बैंक से उनका विशेष लगाव है और बैंक को मिला यह सम्मान पूरे महेंद्रगढ़ जिले का सम्मान है, जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और सहकारिता मंत्री अरविंद शर्मा का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार में रहकर वो सहकारिता के माध्यम से महेंद्रगढ़ के किसान, व्यापारियों, महिलाओं एवं सभी वर्ग को लाभ पहुंचाने का काम करते रहेंगे।

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए फोटो : हरिभूमि

श्रीकृष्णा स्कूल में क्विज प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा स्कूल में विज्ञान, गणित व सामाजिक अध्ययन विषयों पर क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें मुख्यातिथि सीईओ कर्मवीर राव व अध्यक्षता प्राचार्य रवि प्रकाश ने की। मिडिल हेड सुरेंद्र कुमार ने बताया कि श्रीकृष्णा स्कूल में विज्ञान, गणित व सामाजिक अध्ययन पर क्विज प्रतियोगिता करवाई गई। जिसमें कक्षा छठी से आठवीं तक के सभी हाउस के विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा कक्षा छठी की विज्ञान, कक्षा सातवीं की गणित व कक्षा आठवीं की सामाजिक अध्ययन की क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रत्येक विषय पर 80-80 प्रश्न पूछे गए। वहीं कक्षा छठी से दीपेश, सानाक्षी, बानी, अक्षिता व सारिका भगत सिंह हाउस से प्रथम रही, जबकि एपीजे अब्दुल कलाम हाउस ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। कक्षा सातवीं से प्राची, जयनीत, अमन, तक्षीत व शिवानी भगत सिंह हाउस से प्रथम रही। जबकि एपीजे अब्दुल कलाम हाउस दूसरे स्थान पर रहा। कक्षा आठवीं से सामाजिक अध्ययन क्विज प्रतियोगिता में अवी, रेखा, नैंसी, खुशी, प्रतिभा स्वामी विवेकानंद हाउस से प्रथम स्थान पर रहे, जबकि निहारिका, महक, हर्षिता, दीपांशी, खुशबू भगत सिंह हाउस से दूसरे स्थान पर रही।

समानता और न्याय के संकल्प के साथ मनाया विश्व न्याय दिवस

महेंद्रगढ़। यदुवंशी स्कूल में विश्व न्याय दिवस बड़े ही उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक न्याय के महत्व को उजागर किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा के दौरान विश्व न्याय दिवस के उद्देश्य और महत्व पर आधारित जानकारी से हुई। विद्यार्थियों ने भाषण, पोस्टर मेकिंग और निबंध लेखन जैसी रचनात्मक गतिविधियों में भाग लिया, जिनका उद्देश्य समाज में समानता, न्याय और मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम के दौरान छात्रों का उत्साह और भागीदारी सराहनीय रही। यह आयोजन छात्रों में सामाजिक न्याय के मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास रहा। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि समानता और न्याय हर नागरिक का मूल अधिकार है। यदि आप सभी विद्यार्थी अभी से न्याय, समानता और मानवाधिकारों के महत्व के प्रति जागरूक बनेंगे, तभी एक सशक्त और न्यायपूर्ण समाज की कल्पना की जा सकती है। ग्रुप चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि विश्व न्याय दिवस हमें यह याद दिलाता है कि सत्य, न्याय और समानता जैसे मूल्य हमारे समाज की नींव है और आज के समय में सामाजिक न्याय की आवश्यकता और भी अधिक बढ़ गई है। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव भी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा की संकुल स्तरीय प्रतियोगिता में मॉडर्न स्कूल ने 12 स्थान किए प्राप्त

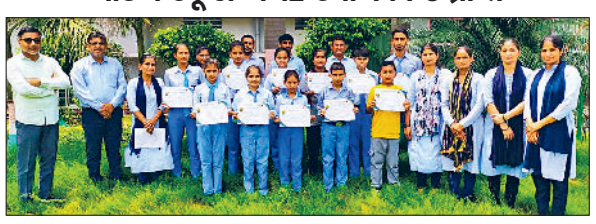

महेंद्रगढ़। सड़क सुरक्षा की संकुल स्तरीय प्रतियोगिता पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भोजावास में आयोजित की गई। इन प्रतियोगिता में भोजावास संकुल स्तर के सभी निजी व सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशानुसार संकुल स्तर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता व स्लोगन प्रतियोगिता करवाई गई। इन विभिन्न प्रतियोगिता में मॉडर्न विद्यालय भोजावास ने 12 स्थान प्राप्त किए। वरिष्ठ वर्ग की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में हितेश कक्षा 12वीं कला संकाय ने दूसरा व इसी वर्ग की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में निशा कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ वर्ग की स्लोगन प्रतियोगिता में खुशी कक्षा 10वीं ने तीसरा, वरिष्ठ वर्ग की पेंटिंग प्रतियोगिता में ईशिका कक्षा 10वीं ने दूसरा, कनिष्ठ वर्ग की पेंटिंग प्रतियोगिता में रियांशी कक्षा आठवीं ने प्रथम, कनिष्ठ वर्ग की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में योगेश कक्षा आठवीं में प्रथम व इसी वर्ग की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में परी कक्षा सातवीं ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ वर्ग की स्लोगन प्रतियोगिता में पायल कक्षा सातवीं ने दूसरा, उपकनिष्ठ वर्ग की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में अभिमन्यु कक्षा पांचवी ने प्रथम, इसी वर्ग की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मानवी कक्षा चौथी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। उप कनिष्ठ वर्ग की स्लोगन प्रतियोगिता में हेमंत कक्षा पांचवी ने दूसरा, उपकनिष्ठ की पेंटिंग प्रतियोगिता में आंचल कक्षा पांचवी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को संस्था निदेशक हवा सिंह यादव, राजकुमार यादव, प्रबंधन समिति सदस्य नवीन कुमार, मनोज कुमार, प्राचार्य अनिल कुमार, कोआर्डिनेटर राम सिंह, शकुंत शहरावत तथा समस्त स्टाफ सदस्यों ने विशेष पुरस्कार से पुरस्कृत किया।

हरियाणा पब्लिक स्कूल में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

यातायात नियमों का पालन करें नागरिक: नरेंद्र सूरा

- जागरूकता से ही सड़क दुर्घटनाओं में आएगी कमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा ने कहा कि हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वे सड़कों पर सावधानी बरतें तथा यातायात नियमों का पालन करें। सूरा पीरवार को हरियाणा पब्लिक स्कूल में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की ओर से सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव नीलम कुमारी भी मौजूद थी। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि सभी नागरिक यातायात नियमों का सही तरीके से पालन करें। जागरूकता से ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी आएगी और सड़कें सभी के लिए सुरक्षित बनेंगी। उन्होंने कहा कि कानूनी सेवाएं प्राधिकरण और स्कूल के संयुक्त प्रयासों से छात्रों को कम उम्र से ही सड़क सुरक्षा के महत्व को समझने में मदद मिलेगी जिससे वे जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा नियमए सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं को कम करने और सभी के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए हैं। इस मौके पर स्कूल के डायरेक्टर हितेश वर्मा, निधी वर्मा, पैनल अधिवक्ता सुरेश कुमार, रेडक्रॉस से डॉ. एसपी सिंह, पैरा लिगल वॉलिंटियर टेकचंद यादव के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

नारनौल। सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में जानकारी देते जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा। फोटो : हरिभूमि

नेत्रहीन कन्या विद्यालय का किया निरीक्षण

विद्यार्थियों से संबंधित किसी सामान की आवश्यकता है तो उसके बारे में अवगत करवाएं, ताकि विद्यार्थियों को वह सामान उपलब्ध करवाया जा सके। यह बात जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा ने नेत्रहीन कन्या विद्यालय मोहल्ला खड़खड़ी व हुडा सेक्टर में स्थित संतोष मेमोरियल दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र के निरीक्षण के दौरान अध्यापकों से कही। इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी भी मौजूद थी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सूरा ने नेत्रहीन कन्या विद्यालय मोहल्ला खड़खड़ी व संतोष मेमोरियल दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र का दौरा कर विद्यार्थियों से बातचीत कर उनका हाल चाल जाना। साथ ही उन्होंने छात्रों को शिक्षा का महत्व और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर बच्चों को खाद्य सामग्री भी वितरित की।

चतुर्थ पुण्यतिथि

एक तेरे बिना इस दुनिया की हर चीज अधूरी लगती है,
नजरों से भले तुम दूर रही, हर चीज में सूरत दिखती है।।

स्वर्गवास : 18 जुलाई 2021

स्व. श्रीमती शारदा यादव सेहलंग

धर्मपत्नी डॉ. विक्रम सिंह एपीसी

की चतुर्थ पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि

शोकाकुल परिवार

कबूल देवी (ताई जी) — डॉ. विक्रम सिंह (पति)
मुकेश देवी-श्री ओमप्रकाश (ताई जी-ताऊ जी) — गौरव (पुत्र)
विद्या देवी (सासु माँ) — सरला-नरेश कुमार (देवरानी-देवर)

सम्पर्क करें

गांव - सेहलंग, जिला महेन्द्रगढ़ (हरि.)
मो. 9813168475, 9817039545

खबर संक्षेप

पायल ने संभाला कनीना तहसीलदार का कार्यभार

कनीना। तहसील कार्यालय में तहसीलदार पायल यादव ने वीरवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने कानूनगो उमेद सिंह, राजसिंह के अलावा पटवारी अनूप सुहाग, शमशेर सिंह, मोज कुमार, विक्रम सिंह, प्रदीप कुमार, प्रवाचक विजय सिंह की उपस्थिति में कार्यभार ग्रहण किया। पटवार एवं कानूनगो एसोसिएशन की ओर से उनका गुदस्ता देकर उनका अभिनंदन किया गया।

छात्रवृत्ति न मिलने पर 25 तक जानकारी लें

नारनौल। जिन आवेदकों ने डॉ. अम्बेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के तहत वर्ष 2024-25 छात्रवृत्ति के लिए आवेदन किया था तथा उन्हें छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं हुई है, वो 25 जुलाई तक जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय में आकर अपने दस्तावेज पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें। यह जानकारी देते हुए जिला कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने बताया कि डॉ. अम्बेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के तहत वर्ष 2024-25 में प्राप्त आवेदन पत्रों में से कुछ आवेदन पत्रों को दस्तावेजों की कमी के कारण सैंडबैक किया हुआ है।

दो किसानों के ट्यूबवेल से सामान चोरी

महेंद्रगढ़। गांव कोथल कला में में अज्ञात चोर दो किसानों के ट्यूबवेल से सामान चोरी करके ले गए हैं। पीड़ित किसान ने सदर पुलिस थाने में शिकायत देकर चोर को पकड़ने व सामान बरामद करने की मांग की है। सदर थाना पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। गांव कोथल कलां निवासी कैलाश चंद ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि वह हरियाणा रोडवेज का कर्मचारी है और दादरी में कार्यरत है।

347 किलो गांजा पत्ती की बरामद, एक गिरफ्तार

नारनौल। सीआईए ने नशीले पदार्थ के मामले में एक आरोपित को काबू किया। पुलिस ने नशीले पदार्थ सहित आरोपित सनी वासी धौलेड़ा को काबू किया। पुलिस ने मौके से करीब एक किलो 347 ग्राम गांजा पत्ती को बरामद की है। सीआईए टीम गश्त के दौरान बस अड्डा कमानिया के पास मौजूद थी। टीम को गुप्त सूचना मिली कि सन्नी वासी धौलेड़ा निजामपुर धौलेड़ा वाटर टैंक के पास अवैध नशीला पदार्थ गांजा बेच रहा है।

जिला बार एसो की ओर से कवि सम्मेलन 21 को

नारनौल। जिला बार एसोसिएशन की ओर से 21 को कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन मिनी सचिवालय स्थित ऑडिटोरियम में सायं साढ़े छह बजे से शुरू होगा। इस कवि सम्मेलन में देश के सुप्रसिद्ध हास्य कवि सुरेन्द्र शर्मा विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कवि सम्मेलन में क्षेत्रीय व राष्ट्रीय स्तर के कई अन्य ख्यातिप्राप्त कविगण भी काव्यपाठ करेंगे।

बागोत कांवड़ मेले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर किए जा रहे बेहतर इंतजाम

सोमवार एकादशी से कांवड़ अर्पित होनी प्रारंभ होंगी, पंचायत एवं राजस्व विभाग के कर्मचारी करवा रहे बैरिकेडिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

सब डिवीजन के गांव बागोत स्थित बाघेश्वर धाम में सावन माह की त्रयोदशी को आयोजित होने वाले विशाल कांवड़ मेले में सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने को लेकर बेरिकेटिंग लगाने का कार्य किया जा रहा है। फिलहाल ग्राम पंचायत, पंचायत विभाग के ग्राम सचिव व भू राजस्व विभाग के पटवारी अधिकारियों के दिशानिर्देशन में साफ सफाई करवाकर रेलिंग व बैरिकेडिंग लगवाने का कार्य कर रहे हैं। कनीना के एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत व नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल की ओर से हाल ही में मेला स्थल का दौरा कर दिशानिर्देश दिए गए थे। माना जा रहा है कि सोमवार 21 जुलाई एकादशी से कांवड़ अर्पित होनी प्रारंभ होगी। धाम के महंत रोशनपुरी ने बताया कि इस मेले में हजारों की संख्या में शिवभक्त कांवड़ लेकर आते हैं तथा बाघेश्वर धाम में शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। गोमुख, ऋषिकेश व हरिद्वार से रवाना हुए कांवड़ियों का वीरवार से पहुंचना प्रांरभ हो गया है। जिनके लिए गांव गांव में सेवा शिविर सज गए हैं। इन शिविरों में भोजन, स्नान, विश्राम, दवा उपचार की व्यवस्थाएं की गई हैं।

कनीना। कांवड़ मेले को लेकर निरीक्षण कर कर्मचारियों को दिशानिर्देश देते एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत। **फोटो : हरिभूमि**

दूसरी ओर कांवड़ मेले में सुरक्षा की दृष्टि से जिला प्रशासन की अरोर से व्यापक प्रबंध किये जा रहे हैं। एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बागोत में मौका निरीक्षण कर बताया कि मेले में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से 20 जुलाई से ड्यूटी मैजिस्ट्रेट की नियुक्ति सहित अस्थाई पुलिस चौकी स्थापित की जाएगी। पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। मेले में बेरिकेटिंग के साथ साथ एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड, गोताखोर व स्वास्थ्य विभाग की टीमें तैनात रहेगी। उनके साथ तहसीलदार पायल यादव, एक्सईएन अश्वनी कुमार, बीडीपीओ नवदीप सिंह, डीएसपी दिनेश कुमार, थाना इंचार्ज सज्जन वशिष्ठ, कानूनगो उमेद सिंह जाखड़, राजसिंह, ग्राम सचिव राजपाल सिंह, पटवारी प्रदीप कुमार व शमशेर सिंह उपस्थित थे।

कनीना शहर में 23 तक भारी वाहनों के प्रवेश पर लगाया पूर्ण प्रतिबन्ध

नारनौल। जिलाधीश डॉ. विवेक भारती ने कांवड़ लाने वाले यात्रियों की सुरक्षा को मध्यनजर रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत कनीना शहर में सुबह पांच बजे से रात्रि नौ बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबन्ध रहेगा। यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू होकर 23 जुलाई तक रहेंगे। जिलाधीश ने आदेशों में स्पष्ट किया है कि इस महापर्व पर बहुत संख्या में महिला एवं पुरुष शिवभक्त हरिद्वार व ऋषिकेश से कांवड़ में गंगाजल भरकर लाते है और शिव मन्दिरों पर गंगाजल से अभिषेक करते है। शिवभक्तों के आने जाने वाले रास्तों पर काफी भीड़ रहती है तथा जाम लगने व दुर्घटना होने की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए कनीना शहर में 23 जुलाई तक सुबह पांच बजे से रात्रि नौ बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबन्ध रहेगा। यह आदेश पुलिस विभाग और अन्य सरकारी वाहन क्रेन, जेसीबी, बिजली विभाग लिफ्ट, पीडब्ल्यूडी के लोडर व नगर पालिका के वाहन आदि पर लागू नहीं होगा। उपरोक्त आदेशों की अवहेलना में यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है, तो वह बीएनएस 2023 की धारा 223 के तहत दण्ड का भागी होगा और अन्य कानूनी प्रावधान जो लागू हो सकते हो।

निर्माण करीब नौ वर्ष पूर्व संबंधित विभाग ने कराया था

महेंद्रगढ़ से बवानिया-भोजावास सड़क मार्ग खस्ता, वाहन चालक परेशान

■ टूटी सड़क के चलते करीब 50 गांवों के लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़ से वाया बवानिया-भोजावास सड़क मार्ग की हालात इन दिनों काफी खस्ता हो चुकी है। सड़क में गड्ढे होने के कारण आने-जाने वाले वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं वाहन चालक हादसे के शिकार भी हो रहें है। ग्रामीणों की आवाजाही इसी सड़क से होती है। इसका निर्माण करीब नौ वर्ष संबंधित विभाग द्वारा कराया गया था।

बता दें कि महेंद्रगढ़ से वाया बवानिया-भोजावास रोड का निर्माण करीब नौ साल पहले कराया गया था। अब यह मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। टूटी सड़क के चलते करीब 50 गांवों के लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। इस समय यह मार्ग पूरी तरह से जर्जर अवस्था में हैं। इस मार्ग पर लगातार भारी वाहन का आवगमन रहता है। जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

महेंद्रगढ़। बवानिया-भोजवास मार्ग की जर्जर अवस्था में सड़क। **फोटो : हरिभूमि**

ग्रामीण निर्माण कराने की उठा रहे हैं मांग

ग्रामीण रामनिवास पाटोदा, देशराज, मुकेश, महीपाल, राजेश, अमित, मुकेश आदि ने बताया कि ग्रामीण कई बार डीसी को ज्ञापन देकर रोड का निर्माण करने की मांग कर चुके है। लेकिन डीसी को दिए गए ज्ञापन में सड़क को फोरलेन तो दूर मरम्मत भी नहीं की जा रहीं है। उन्होंने बताया कि देश के प्रधानमंत्री भी कहते हैं कि जहां सड़कों की अच्छी सुविधाएं होती है वहां विकास की गंगा बहती है। अगर इस मार्ग को फोरलेन बनने से महेंद्रगढ़ शहर पूर्व दिशा से भी राजस्थान से सीधा लिंक हो जाएगा। इस मार्ग का 152 डी ग्रीन कॉरिडोर से एचएन-11 रेवाड़ी-नारनौल व कैन्टर डिपो राजस्थान राज्य के काठूवास तथा मनेठी में बनने वाले एक्स से सीधा जुड़ाव हो जाएगा और यह सबसे छोटा मार्ग होगा। दशकों से पिछड़ेपन का सेहरा लिए इस इलाके को भी विकास कार्यों में प्रगति मिलेगी। इस मार्ग के निर्माण से क्षेत्र में उद्योग धंधे भी स्थापित होंगे और पिछड़ापन भी दूर होगा तथा क्षेत्र के बेरोजगारों को भी रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे। क्षेत्र को पर्याप्त परिवहन सुविधा भी मिलेगी। वर्तमान स्थिति में मार्ग की दशा वर्तमान में यह सड़क 18 फुट का है जिसका निर्माण छह साल पहले हुआ था। इस समय यह मार्ग पूरी तरह से जर्जर अवस्था में हैं। इस मार्ग पर लगातार भारी वाहन का आवागमन बढ़ने तथा रोड की चौड़ाई कम होने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस व्यस्त मार्ग की हालत देखने के बाद अधिकारी सुध नहीं ले रहे हैं। ग्रामीण सहित शहर की भी आवाजाही इसी सड़क से होती है। इसका निर्माण सात वर्ष पूर्व लोक निर्माण विभाग के द्वारा कराया गया था। लेकिन अब इस सड़क की दशा खस्ता है। इस मार्ग की मरम्मत करने की मांग की है।

परीक्षार्थियों के आने जाने, ठहरने, सुरक्षा व स्वास्थ्य के लिए प्रशासन करेगा पुख्ता प्रबंध

■ सीईटी परीक्षा के सुचारु व निष्पक्ष संचालन के लिए डीसी ने ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आगामी 26 और 27 जुलाई को होने वाली कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) परीक्षा के दौरान सरकार के निर्देश अनुसार जिला प्रशासन परीक्षार्थियों के लिए ठहरने से लेकर गंतव्य तक पहुंचने तथा स्वास्थ्य व सुरक्षा तक के पुख्ता प्रबंध करेगा। इसी कार्य के बेहतर प्रबंधन के लिए वीरवार को उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने लघु सचिवालय में अधिकारियों की बैठक ली।

इस अवसर पर डीसी ने कहा कि इस परीक्षा के सुचारु और निष्पक्ष संचालन के लिए विभिन्न प्रकार की टीमों का गठन किया जाएगा। परीक्षार्थियों के आने व जाने के लिए प्रशासन की ओर से पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे। वहीं संबंधित केंद्र तक पहुंचाने के लिए सटल बसों का संचालन किया जाएगा। बैठक में परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था, परिवहन, इनविजिलेटर और सहायक कर्मचारियों की उपलब्धता, बिजली पानी की आपूर्ति, चिकित्सा तथा आपातकालीन सेवाएं के पुख्ता इंतजाम करने पर मंथन हुआ। उपायुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी जिम्मेदार के साथ कार्य करें। शिक्षा अधिकारी केंद्र को अच्छी तरह चेक करें।

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डॉ. विवेक भारती। **फोटो : हरिभूमि**

एसओपी के अनुसार सभी कार्य होंगे

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जैमर, सीसीटीवी, बायोमेट्रिक व तलाशी से संबंधित सभी कार्य एसओपी के अनुसार होने चाहिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर दिशानिर्देश जारी किए। बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार, महेंद्रगढ़ के एसडीएम अनिल यादव, नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार, एसडीएम रमित यादव, नगराधीश मंजीत कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कनीना में रोड पर नहीं जमा होगा बारिश का पानी: एसडीएम

कनीना। रेवाड़ी मोड़ टी प्वाइंट पर होने वाले बारिश के जलभराव से आमजन को निजात दिलाने के लिए वीरवार को एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने अधिकारियों की टीम के साथ मौका निरीक्षण किया। उनके साथ लोकनिर्माण विभाग के एक्सईएन अश्वनी कुमार, तहसीलदार पायल यादव, सिंचाई विभाग के एसडीओ, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग, नपा चेयरपर्सन डॉ. रिंपी लोढ़ा, नपा सचिव कपिल कुमार थे। जिन्होंने कोसली रेवाड़ी मोड़ पर होने वाले जलभराव को शीघ्र ही समाधान करने को कहा। लोक निर्माण विभाग व जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने जल्द ही पानी की समस्या से छुटकारा दिलाने का आश्वासन दिया।

बिजली संकट को लेकर एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

नांगल चौधरी। हसनपुर की बीपीएल कॉलोनी में बिजली संकट बना हुआ है। जिस कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। कांग्रेस के जिला प्रधान पुनित बुलान के नेतृत्व में युवा कार्यकर्ताओं ने निगम के एसडीओ को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने अधिकारियों को 10 दिन में ट्रांसफार्मर लगाने की अल्टीमेटम दिया, अन्यथा लघु सचिवालय पर धरना प्रदर्शन की रूपरेखा बनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि हसनपुर में पांच हजार से अधिक आबादी है। ग्रामीणों की सविधा के लिए सरकार ने गांव स्तर पर बिजली सप्लाई पहुंचा दी, लेकिन हसनपुर गांव में बीपीएल कॉलोनी में बिजली की सप्लाई सुचारू नहीं हो पाई है।

अटेली क्षेत्र में जमकर बरसे मेघा, कई जगह भरा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र में वीरवार को सुबह सवा सात से आठ बजे तक जोरदार बारिश हुई। इस तेज बारिश से अटेली में जगह-जगह पानी भर गया। बारिश के दौरान बाजार से लेकर तमाम प्रमुख मार्गों पर पानी जमा हो गया। इसके कारण पूरे शहर में जलभराव होने से आम लोगों के साथ दुकानदारों को भी काफी परेशानी उठानी पड़ी।

कई दुकानदारों की दुकानों में भी पानी घुस गया। अब श्रवण में बारिश की शुरुआत हो चुकी है। वीरवार सुबह को हुई बारिश से आमजन को जहां गर्मी से राहत मिली वहीं जलभराव की वजह से आमजन को परेशानी भी उठानी पड़ी। शहर के अधिकतर वार्डों में पानी का जल भराव दिखाई दिया। बाजरे की फसल के लिए अति उत्तम बरसात है जो किसानों को इस बरसात की बाजार बुवाई के बाद काफी आवश्यकता थी जो इस बारिश के होने से बाजरे की फसल में भी काफी फायदे के आसार हैं।

मंडी अटेली। नारनौल-रेवाड़ी रोड अनाज मंडी के सामने जमा बारिश का पानी।

विधायक ओमप्रकाश ने गुवानी में किया विकास कार्यों का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गांव गुवानी में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बीएसएफ में कार्यरत इंस्पेक्टर सुधीर कुमार की ओर से जम्मू कश्मीर के सांबा में सात उग्रवादियों, तीन पाकिस्तान सैनिकों व 10 उन लोगों को पनाह देने वाले लोगों को अपने साथियों के साथ बहादुरी से मुकाबला कर मार गिराया था। सुधीर कुमार के माता पिता को विधायक ओमप्रकाश यादव ने सम्मानित किया। विधायक ने कहा कि भारत सरकार ने भी सुधीर कुमार व उनके माता पिता को सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि सुधीर कुमार ने न केवल अपना गांव तथा जिले का नाम रोशन किया है, अपितु प्रदेश व देश का नाम भी दुश्मनों से लड़ाई लड़कर उनके इरादों को नाकाम करने के कारण रोशन किया है। इस अवसर पर ओमप्रकाश यादव ने गांव में तीन सड़कों, एक हाल व पानी की टंकी का उद्घाटन करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में गांव गुवानी में करोड़ों रुपये विकास कार्यों पर खर्च हुए हैं। उन्होंने कहा कि सड़कों को लेकर पूरे नारनौल विधानसभा क्षेत्र में ही जाल बिछाया जा रहा है।

नारनौल। गांव गुवानी में विकास कार्यों का उद्घाटन करते विधायक ओमप्रकाश यादव।

शिकायत का तुरंत प्रभाव से करें समाधान: एडीसी

■ सोमवार व वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक लगाए जा रहे शिविर

नारनौल। सोमवार व वीरवार को को सुबह 10 से 12 बजे तक जिला व उप मंडल स्तर लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में वीरवार को लघु सचिवालय में अतिरिक्त उपायुक्त सुशील कुमार ने आमजन की शिकायतें सुनी तथा अधिकतर शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया। एडीसी सुशील कुमार ने आमजन की शिकायत सुनते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में जो शिकायतें आती हैं, उनका तुरंत प्रभाव से समाधान करें। वह शिकायत दोबारा समाधान शिविर में नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है और हम इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस मौके पर नगराधीश मंजीत कुमार, डीएसपी भारत भूषण के अलावा अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

नारनौल। आमजन की शिकायतें सुनते एडीसी सुशील कुमार। **फोटो : हरिभूमि**

लघु सचिवालय सभागार में आयोजित समाधान शिविर में डीसी और एसपी ने सुनी जनसमस्याएं

महेंद्रगढ़। लघु सचिवालय एसडीएम कार्यालय के सभागार में वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश भी दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद रही और पुलिस विभाग से संबंधित शिकायत सुनी। वीरवार को आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के नागरिक पहुंचे, जिन्होंने पानी, बिजली, पेंशन, राजस्व, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, सड़क व सफाई व्यवस्था, जलभराव, अवैध अतिक्रमण से जुड़ी शिकायतें रखी। वीरवार को गांव स्याणा निवासी ओमप्रकाश ने गांव से अवैध कब्जे हटवाने, महेंद्रगढ़ की रामविहार कॉलोनी निवासी सीवरेज व पीने के पानी की समस्या, ईश्वर सिंह बचीनी गांव निवासी नालों की सफाई की समस्या, प्रकाश भांडोर ऊंची से परिवार पहचान पत्र में इनकम अधिक दिखाने की समस्या लेकर समाधान शिविर में पहुंचे। समाधान शिविर में कुल 70 शिकायतें दर्ज की गई। डीसी ने शिविर में विभिन्न प्रकार की शिकायत लेकर आए नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को अविलंब समाधान के निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम अनिल कुमार यादव, डीएसपी दिनेश कुमार, डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल, खंड शिक्षा अधिकारी अलका सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम शिक्षा ऐसा सशक्त शस्त्र, जिसके बलबूते जीवन के सर्वोच्च लक्ष्य को किया जा सकता है हासिल

आईएएस पूनम कसाना को मुकुंदपुरा में किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिले के गांव मुकुंदपुरा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक में पूनम कसाना गुर्जर आईएएस के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता स्कूल प्राचार्य इंद्र कुमार गुर्जर ने की।

इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य व समस्त स्टाफ ने पूनम कसाना गुर्जर व उनके पिता सत्यनारायण कसाना को सम्मानित किया। मंच संचालन करते हुए डॉ. हंसराज गुर्जर डीपीई ने बताया कि गांव बासियाल की बेटी पूनम कसाना गुर्जर आईएएस ने यूपीएससी सिविल सर्विसेज परीक्षा में 485वीं रैंक प्राप्त कर समाज व क्षेत्र का मान सम्मान बढ़ाया है।

इस अवसर पर पूनम कसाना गुर्जर ने कहा कि महिलाएं समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने युवाओं को लक्ष्य निर्धारित करने, सही दिशा में प्रयास करने व नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को चेताया कि बुरे संग की आदतें धीरे धीरे गंभीर परिणामों की ओर ले जाती हैं, इसलिए जीवन में संतुलन, संस्कार और जिम्मेदारी जरूरी है। उन्होंने कहा कि आप मोटिवेट रहे, कभी भी आप डीमोटिवेट ना रहे, कि हम सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं। मैंने भी अपनी प्रारंभिक शिक्षा सरकारी स्कूल से ही प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि जब आप नौकरी लगते हैं, तो उसके बाद आप सरकारी स्कूल में आकर विद्यार्थियों की मदद करें, ताकि सरकारी स्कूल आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि शिक्षा एक ऐसा सशक्त शस्त्र है, जिसके बलबूते पर आप अपने जीवन के सर्वोच्च लक्ष्य को भी हासिल कर सकते है। उन्होंने आईएएस, आईएफएस, आईपीएस, आईआरएस जैसे सर्वोच्च प्रशासनिक पदों की गरिमा व महत्वता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपको जो सम्मान व गौरव इन पदों के फलस्वरूप समाज में हासिल होता है, वो बड़े बड़े साधन सम्पन्न लोगों को भी प्राप्त नहीं हो पाता हैं।

नारनौल। आईएएस पूनम कसाना को सम्मानित करते हुए। **फोटो : हरिभूमि**

नौकरी मिलने पर स्कूल की करें मदद

कार्यक्रम अध्यक्ष इंद्र कुमार गुर्जर ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि नवनियुक्त आईएएस ने विद्यालय में पधार कर विद्यार्थियों को अपने संबोधन से प्रेरित किया। सत्यनारायण कसाना ने कहा कि अपनी तीन बेटियों व दो बेटों में कभी कोई अंतर नहीं माना। बेटी जहां पढ़ना चाहती थी, जैसा पढ़ना चाहती थी, उसको पढ़ाया। हमें अपनी बेटी पर विश्वास होना चाहिए व स्वतंत्रता पूर्णरूप से दें। इस मौके पर महेश सोडा, नवीन कुमार, राजकुमार निंबल ने भी संबोधित किया। इस मौके पर रामविलास यादव, प्रकाशचन्द यादव, कुलदीप शर्मा, दुर्गावती, सुरेश यादव, दयाराम गुर्जर डीपीई, गूगान गुर्जर, नागेश शर्मा, राकेश, सोनू यादव, यशपाल यादव, दयानंद, कर्मपाल, दाताराम गुर्जर, सरपंच प्रतिनिधि सुमेर सिंह, हंसराज गुर्जर मुकुंदपुरा, बाबूलाल दायमा, संजय खटाना, मुकेश, श्योराम पोसवाल, महेंद्र, प्रकाश, संदीप, सज्जन, लखन, देवेंद्र आदि मौजूद रहे।